नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

एशिया कप में भारत की शानदार जीत

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए एशिया कप 2025 के फाइनल मुकाबले ने क्रिकेट प्रेमियों को रोमांच से भर दिया. ऐतिहासिक भिड़ंत में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर न केवल अपना नौवां एशिया कप खिताब जीता, बल्कि यह भी साबित किया कि टीम इंडिया दबाव की परिस्थितियों में सबसे संतुलित और मजबूत टीम है. यह फाइनल विशेष इसलिए भी रहा क्योंकि एशिया कप के इतिहास में पहली बार भारत और पाकिस्तान सीधे खिताबी जंग में आमने-सामने आए थे.

पाकिस्तान ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों की नियंत्रित रणनीति के आगे उनकी पारी लंबे समय तक टिक नहीं पाई. फखर जमान और साहिबजादा फरहान ने क्रमश: 46 और 57 रनों की उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन बाकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी का सामना करने में नाकाम रहे. कुलदीप यादव की घातक गेंदबाजी (4 विकेट) ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी. नतीजा यह हुआ कि पूरी टीम 19.1 ओवर में 146 रनों पर सिमट गई. इतने बड़े मंच पर 150 से कम का स्कोर किसी भी टीम के लिए असुरक्षा की स्थिति ही पैदा करता है. भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआती झटके झेले. लेकिन यहीं पर भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत, युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास,

सामने आया. तिलक वर्मा ने 69 रनों की नाबाद पारी खेली. यह पारी सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसने दर्शाया कि अगली पीढ़ी का भारतीय क्रिकेट भी बड़े मौकों पर दृढ़ता से खड़ा हो सकता है. शिवम दुबे के 33 रनों का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा, जिसने साझेदारी को मजबूती दी और टीम को जीत की ओर अग्रसर किया. वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना जाना बिल्कुल उचित रहा, क्योंकि उनकी पारी ने मैच की दिशा बदल दी. भारत की इस जीत ने एशियाई क्रिकेट में उसकी श्रेष्ठता को फिर से स्थापित किया है. नौवां खिताब अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि भारत ने एशिया कप को लगभग अपना ही टूर्नामेंट बना लिया है. पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी टीमें बीच-बीच में चुनौती देती रही हैं, लेकिन स्थिरता और निरंतरता के मामले में भारत से कोई भी टीम अभी दूर नजर आती है. हालांकि, इस जीत के उत्साह के बीच एक विवाद भी उभर कर सामने आया. मैच के बाद भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया. मोहसिन नक़वी पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं. उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान अनेक ऐसे ट्वीट किए जिसमें ऑपरेशन सिंदूर में भारत की हार और पाकिस्तान की जीत बताई गई. जाहिर है भारतीय टीम ने उनके हाथों ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला करके सही काम किया. इसके बाद मोहसिन नकवी अपनी हरकतों से बाज नहीं आए. वो गुस्से में ट्रॉफी ही अपने साथ ले गए. कुल मिलाकर पूरा टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने अभद्रता का परिचय दिया जो खेल भावना के सर्वथा विपरीत था. बहरहाल, यह फाइनल भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता की नई परिभाषा भी लिखता है. दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध चाहे जैसे हों, क्रिकेट हमेशा जनता की भावनाओं का सेतु बना है. दुबई में हुए इस फाइनल ने यह साबित कर दिया कि जब भारत और पाकिस्तान आमने-सामने आते हैं, तो पूरा एशिया नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की नजर इस मुकाबले पर टिक जाती है.

भारत की यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए एक संदेश हैकि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है. तिलक वर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास, कुलदीप यादव जैसी गेंदबाजी की धार, और टीम का सामूहिक प्रयास यह दिखाता है कि भारत न केवल आज, बल्कि कल भी एशियाई क्रिकेट का नेतृत्व करेगा. कुल मिलाकर एशिया कप 2025 का फाइनल भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हो गया है. जीत के साथ-साथ विवाद की छाया ने हमें यह भी याद दिलाया कि क्रिकेट केवल खेल नहीं, बल्कि अनुशासन और मूल्यों का दर्पण है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी का महत्व

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी को एक-दूसरे का पूरक माना जाता है. बीजेपी की स्थापना 1980 में हुई थी, लेकिन हिंदुत्व के एजेंडे की राजनीतिक धार तेज करने का काम भारतीय जनसंघ और हिंदू महासभा जैसी पार्टियां पहले बखूबी कर चुकी थीं. भारतीय जनसंघ का 1977 में जनता पार्टी में विलय कर दिया गया था. ये तमाम पार्टियां संघ से अलग इसलिए भी नहीं हैं, क्योंकि संघ और इन पार्टियों के बीच दोहरी सदस्यता का प्रावधान भी है. देश की पहली गैर कांग्रेस जनता पार्टी सरकार का पतन भी दोहरी सदस्यता की वजह से ही हुआ था.

इसकी एक वजह यह थी कि जनता पार्टी में शामिल ज्यादातर पार्टियां ऐसी थीं, जो कांग्रेस से नाराज होने के बावजूद हिंदुत्व और धुर राष्ट्रवाद की छवि से पूरी तरह मुक्त थीं और इन पार्टियों ने जनसंघ के नेताओं पर यह दबाव बनाया था कि जनता पार्टी में रहते हुए संघ जैसे संगठन की सदस्यता नहीं ली जा सकती. परिणामस्वरुप जनता पार्टी का विभाजन हुआ और भारतीय जनता पार्टी के रूप में संघ का एक नया अनुषंगी राजनीतिक संगठन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वजूद में आया. 1925 के सितंबर महीने की 25 तारीख को दशहरा पर्व के दिन डॉ. के. बी. हेडगेवार ने नागपुर में इस संगठन की स्थापना की थी. इस संगठन का सीधा सपाट नारा है, च्जो हिंदू हित की बात करेगा, उनका संगठन उनके साथ रहेगा. इसलिए जब कभी इस संगठन के नेताओं को लगता है कि उनके किसी एजेंडे को कांग्रेस आगे बढ़ा सकती है तो ये उसका साथ देने से भी संकोच नहीं करते.

इसी तरह समय-समय पर संघ आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल जैसे अनेक दलों के साथ अपनी सक्रियता के नमूने पेश कर चुका है. नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में राष्ट्रध्वज के रूप में तिरंगा झंडा पहली बार तब फहराया गया था, जब 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद संघ पर दबाव बनना शुरू हुआ था. इसके कुछ साल बाद ही संघ मुख्यालय पर तिरंगा झंडा फहराना शुरू हुआ था.

अपने जन्म के बाद से देश के आजाद होने तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अंग्रेजों के खिलाफ कितना सक्रिय था, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी गई स्वाधीनता की लड़ाई में उसकी क्या भूमिका थी और किस तरह की राष्ट्रवादी सोच इस संगठन के लोगों में तब पनप रही थी, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि संघ के गठन के दो साल बाद जब 1927 में साइमन कमीशन का विरोध स्वाधीनता संग्राम सेनानियों ने किया था, तब दूर-दूर तक संघ के कार्यकर्ता इस आंदोलन में दिखाई नहीं दिए थे. एक तथ्य यह भी है कि साल 1929 में जवाहरलाल नेहरू ने कांग्रेस अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी के लाहौर अधिवेशन में राष्ट्रीय ध्वज के रूप में फहराने के साथ ही पूर्ण स्वराज का मकसद एक बार फिर उछाला था.

लाहौर अधिवेशन में लिए गए फैसले के अनुरूप 26 जनवरी 1930 को देशभर में तिरंगे झंडे के साथ धरना प्रदर्शन करने का फैसला लिया गया था. संघ ने इस फैसले को आंशिक रूप से ही स्वीकार किया था, संघ ने पूर्ण स्वराज के मामले को तो स्वीकार किया था, लेकिन तिरंगे झंडे को राष्ट्रध्वज के रूप में स्वीकार करने से इनकार किया था. इस संबंध में तत्कालीन संघ प्रमुख के. बी. हेड़गेवार का यह बयान काबिले गौर है, च्संघ पूर्ण स्वराज की मांग का समर्थन करता है, लेकिन तिरंगे के स्थान पर भगवा झंडा फहराएगा.ज संघ और उसके अनुषंगी संगठन कितने राष्ट्रवादी थे और महात्मा गांधी की हत्या में उनकी क्या भूमिका थी इसका खुलासा देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल ने सरकार के साथ समय-समय पर हुए अपने पत्राचार में साफतौर पर किया है.

✍ ज्ञानेन्द्र पाण्डेय

विंध्य की डायरी

भाजपा की जिला टीम में विवादित नेता भी उपकृत

डॉ. रवि तिवारी

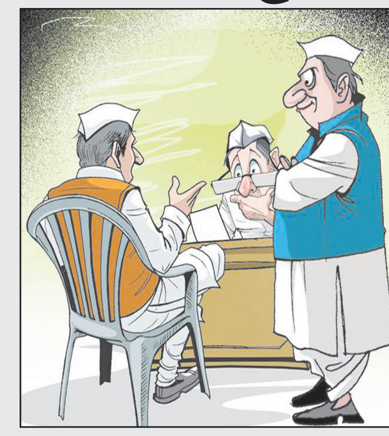

भाजपा के संगठनात्मक जिलों में से अधिकांश जिलो की कार्यकारिणी घोषित हो चुकी है. घोषणा के बाद लगातार विवाद भी सामने आ रहे है. रीवा में कई विवादित नेता भी उपकृत हुए है, जिन्हे दायित्व दिया गया है. भाजपा की कथनी-करनी में अंदर देखने को मिला है. पार्टी गाइड लाइन का सही तरीके से पालन होता तो इनमें से कई नियुक्त पदाधिकारी सूची से बाहर होते और उनके जगह खाटी कार्यकर्ता को स्थान मिलता. सिंगरौली में भाजपा जिलाध्यक्ष के प्रबल दावेदारो में शामिल रहे राजेश तिवारी को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया तो उन्होने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. दो बार जिला उपाध्यक्ष रह चुके है, इसके पूर्व मऊगंज में राहुल गौतम ने भी उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद इस्तीफा दिया था.

लम्बे इंतजार के बाद आखिरकार नवरात्रि में भाजपा जिला कार्यकारिणी रीवा की सूची जारी कर दी गई. सूची को लेकर विधायकों ने कई नामो पर पेंच फसा रखा था. मंथन के बाद सूची जारी करते हुए विवादित नेताओं को पदाधिकारी बनाया गया है. विधायको के साथ तालमेल बनाए रखने के लिये पार्टी ने कई ऐसे नेताओं को भी उपकृत करते हुए पदाधिकारी बना दिया है जिनका विवादों से नाता रहा है. सामंजस्य बैठाने के लिये पार्टी ने पांच महिलाओं को भी शामिल किया है. जातियों का तालमेल बैठाने का प्रयास किया गया है. पूर्व अध्यक्ष के खेमे के बहुत कम लोगो को अवसर दिया गया है. पार्टी के पुराने नेताओं को भी इस बार तरजीह नही मिली है. कुछ विधायकों के करीबी है जिन्हे मौका मिला है. कई खाटी कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया गया है. सूची को लेकर कई नेता नाराज है पर अंदर ही अंदर घुट रहे है मुखर होकर विरोध करने की हिम्मत नही जुटा पा रहे है.

यह है मोहन सरकार

जनता से अभद्र व्यवहार डा0 मोहन सरकार में अक्षम्य है, यह बात एक बार फिर से साबित हुई. जब मऊगंज जिले में अभद्र व्यवहार करने वाले प्रभारी तहसीलदार को शासन द्वारा निलंबित कर दिया गया. गाली बाज तहसीलदार पर निलंबन की गाज कलेक्टर के प्रस्ताव के बाद गिरी. दरअसल शनिवार को प्रभारी तहसीलदार मऊगंज वीरेन्द्र कुमार पटेल का एक वीडियो वायरल हुआ. जिसमें वह एक व्यक्ति से अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हुए अमर्यादित व्यवहार करते दिखे. फिर क्या था वीडियो वायरल होते ही सरकार एक्शन में आई और गाली गलौज करने वाले प्रभारी तहसीलदार पर निलंबन की गाज गिरी. एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि जनता के साथ दुर्व्यवहार करने वालो को सरकार कभी माफ नही करती फिर चाहे कोई भी हो किसी पद पर.

एफआईआर बनी गले की फांस

ऊर्जाधानी में इस समय राजनीति गरमाई हुई है, गली चौराहो से लेकर चाय-पान की दुकानो में केवल एफआईआर की चर्चा है और चर्चा हो भी क्यों ना जब विधायक की एफआईआर पर नेताजी सलाखों के पीछे चले जाए. देवसर विधायक पर सोशल मीडिया में टिप्पणी कर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव भास्कर मिश्रा बुरे फस गए. फिर क्या था विधायक ने कोतवाली पहुंचकर नेताजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी और पुलिस ने भी बगैर देर किये नेताजी को उठाकर सलाखों के पीछे भेज दिया. अब इस एफआईआर को लेकर चारो तरफ आलोचनाएं हो रही है. कांग्रेस और हर समाज के लोग जहा आलोचना कर रहे है वही भाजपा के नेता भी दबी जुबान में आलोचना करते हुए इसे निंदनीय बता रहे है.

टैरिफ वृद्धि से अमेरिकी ग्राहकों पर बोझ

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आयातित ब्रांडेड फार्मास्युटिकल ड्रग्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया. इससे आयात की जाने वाली ब्रांडेड दवाइयों के दाम दोगुने हो जाएंगे और अमेरिका उपभोक्ता की जेब पर इसका बुरा असर पड़ेगा. भारत विश्व की सबसे बड़ी फार्मेसी कहलाता है. इसलिए उसे नुकसान पहुंचना स्वाभाविक है. जिन भारतीय औषधि निर्माता कंपनियों ने अपने प्लांट अमेरिका में डालने शुरू कर दिए हैं उन्हें भी प्रोडक्शन में कुछ वर्ष लग जाएंगे. तब तक अमेरिकी उपभोक्ता को नुकसान उठाना पड़ेगा. कहा। जा रहा है कि जेनेरिक मेडिसिन बनाने वाले भारतीय उद्योगों पर ट्रंप के इस कदम का अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा. ट्रंप अपने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन अभियान के तहत विदेशी सामान पर अंधाधुंध टैरिफ बढ़ा रहे हैं लेकिन यही वस्तुएं यदि वे अपने देश में निर्मित करें तो लागत काफी अधिक आएगी. वजह यह है कि गोरे अमेरिकी कम वेतन पर काम करने तथा ओवरटाइम के लिए राजी नहीं होते. इससे लागत बढ़ जाती है.

चर्चा यह भी थी कि अमेरिका डॉलर का अवमूल्यन कर सकता है. ऐसा हुआ तो विश्व के देशों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में जो डॉलर जमा कर रखे हैं, उनका मूल्य गिर जाएगा. चीन ने बड़ी मात्रा में अमेरिका की सरकारी प्रतिभूतियां खरीद रखी है. उनका भी वैल्यू घट जाएगा. अमेरिका की आर्थिक मनमानी से खलबली मची है. ऐसे में भारत को अन्य देशों के साथ अपने व्यापार को बढ़ाना होगा.

जिन लोगों ने ट्रंप को निर्वाचित किया था, वह उनके सनकी कदमों से हताश हो रहे हैं. ऊपर से अमेरिका की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है लेकिन उसे खुद पर लदा खरबों डॉलर का कर्ज चुकाना कठिन जा रहा है. महंगाई बढ़ेगी तो अमेरिकी सरकार ने मनचाही मात्रा में डॉलर छापने का अधिकार अपने हाथ में रखा है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मत रखना कोई तनाव या टेंशन लगातार लेते रहो मोटिवेशन

पड़ोसी ने हमसे कहा, चनिशानेबाज, हम सारी सुख-सुविधा के बावजूद कभी-कभी नर्वस महसूस करते हैं. हम चाहते हैं कि आप हमारा उत्साह बढ़ाएं ताकि हम जोश, कर्मठता और लगन के साथ अपना काम कुशलतापूर्वक कर सकें. हमें आपसे प्रेरणा, प्रोत्साहन, इंस्पिरेशन और मोटिवेशन की जरूरत है.ज हमने कहा, च्आप मोटिवेशन की बात क्यों कह रहे हैं? आप पहले ही काफी मोटे-ताजे हैं फिर मोटिवेशन क्यों चाहिए, जिम में जाकर पतले होने की एक्सरसाइज कीजिए.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, हम चाहते हैं कि आप हमें डिप्रेशन से बाहर निकालिए और मोटिवेशन देकर एनर्जेटिक बनाइए. क्या हम इसके लिए स्वेट मार्डेन, डेल कार्नेगी या शिव खेड़ा की किताबें पढ़ें?

हमने कहा, आपकी समस्या का इलाज किताबें नहीं हैं. आपका मूड स्विंग होता रहता है तो जाकर पार्क में झूला झूलिए. कुछ प्रेरणादायी फिल्मी गीत भी सुन सकते हैं. यदि गा सकते हों तो कराओके पर बैकग्राउंड म्यूजिक लगाकर गाइए- गम नहीं कर मुस्कुरा, जीने का ले ले मजा! दूसरा गीत है- अपने लिए जिए तो क्या जिए, तू जी ए दिल जमाने के लिए. तीसरा गीत है किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार, किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार, किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार, जीना इसी का नाम है!ज पड़ोसी ने कहा, चनिशानेबाज, हमें लगता है कि जिंदगी क्या है, गम का दरिया है. अखबार में एक्सीडेंट और भगदड़ में होने वाली मौत की खबर पढ़कर दिल गमगीन हो जाता है. किसी की असमय मौत नहीं होनी चाहिए. हर हादसा हमें हक्का-बक्का कर देता है.

हमने कहा, नकारात्मक विचार छोड़ दीजिए. हर सुबह आशा की किरण जीवन का नया संदेश और आत्मविश्वास लेकर आती है. बीती बातों को भूलकर आगे की सोच रखिए, पॉजिटिव थिंकिंग के साथ मानिए कि भविष्य में जो होगा, अच्छा होगा. अपना आत्मबल मजबूत रखकर कर्मयोग को अपनाइए. दोस्तों की दोस्ती पर भरोसा रखकर गाइए जब कोई बात बिगड़ जाए, जब कोई मुश्किल पड़ जाए, तुम देना साथ मेरा ओ हमनवाज!

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12037 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4		5
6		■	7	8		■	
	■	9			■	10	
■	11		■	■	12		
13			■	14		■	
15		■	16		■	17	
	■	18		■	19		
■	20						■

ऊपर से नीचे

1. पचास सजातीय वस्तुओं का योग या मिश्रण 2. किसी शब्द या वाक्य का बार-बार उच्चारण 3. विष्णु (सं.) 4. सूत कातने के लिए बनाई गई रुई की बत्ती 5. रसायन शास्त्र का ज्ञाता 8. हृदय, मन (उर्दू). 9. बदसूरत 10. इज्जत, आबरू 11. सख्या, गिनती (उर्दू) 12. शराब, सुरा 13. जो कहा न जा सके 14. थका हारा 16. शांति (उर्दू) 17. वख 18. प्रदान, देना, खैरात 19. रण, युद्ध, जंगल

बाएं से दाएं

1. वृत्त की परिधि या गोलाई बनाने-नापने आदि का दो भुजाओं का एक आला (उर्दू) 4. छोटा तालाब 6. चटपटी वस्तु, व्यसन, लालसा 7. पृथ्वी (सं) 9. प्रवीण, निपुण 10. आमदनी 11. प्रारंभ 12. सोचना, विचार करना 13. अपरिमित 14. जिसमें कविता के चरण हो, कविता 15. हाथ, टैक्स, किरण 16. डूबना (सं.) 17. कपड़े 18. मूल्य 19. रसिक, रसमर्मज्ञ 20. अतिशीघ्र, तुरंत

Solution 12036

पो	स्ट	का	र्ड	■	क	स	क
र	■	ति	■	म	हा	र	त
वं	गा	ल	■	ग	■	का	रा
द	र	■	अं	ध	का	र	■
र	त	ज	गा	■	[illegible]	■	क
■	■	वा	र	दा	त	■	बू
ग	वा	ह	■	व	का	ल	त
■	त	र	ब	त	र	■	र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यवसाय में लाभ होगा, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, यात्रा का योग है, वर्ष के मध्य में नारी पक्ष से सहयोग मिलेगा, आर्थिक लाभ होगा, किसी विशेष कार्य से लाभांवित होने का अवसर प्राप्त होगा, वर्ष के अन्त में सिर दर्द अनिद्रा जैसे रोगों से कष्ट हो सकता है, जल्दबाजी में वाहन न चलायें, तनाव रहेगा, घरेलू कार्यो में व्यस्तता बनी रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभांवित होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को घरेलू कार्यो में नारी पक्ष से आर्थिक संकट हो सकता है, कर्क राशि के व्यक्तियोंको व्यस्तता रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को सिर दर्द अनिद्रा जैसे रोगों से कष्ट हो सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है, मकर और कुंभराशि के व्यक्तियों को रूकावटों के बाद सफ्लता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को कार्य में व्यस्तता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर स्वस्थ्य सुखी व्यक्तित्ववान होगा. अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. विद्या के क्षेत्र में शुरू में अड़चने आयेंगी. परिवार का पूरा ध्यान रखने वाला होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

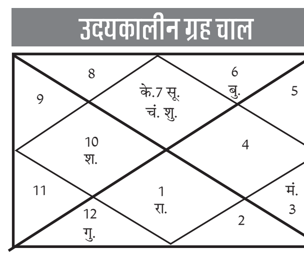

पंचांग

रा.मि. 08 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल अष्टमीं भौमवासरे दिन 1/45, पूर्वाषाढ़ नक्षत्रे रातअंत 5/9, शोभन योगे रात 11/25, वव करणे सू.उ. 6/5, सू.अ. 5/55, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल अष्टमीं को पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के प्रभाव से धनियां, लालमिर्च, जीरा, दाख, जायफ्ल, लोंग, के भाव में तेजी होगी. ज्वार, बाजरा, मक्का, गेहूँ, जौ, चना, मूँग, के भाव में नरमी रहेगी. भाग्यांक 2614 है.

मेष- नया कार्य सामने आयेगा. किसी तरह की चोट लग सकती है, किन्तु अधिक चिन्ता की बात नहीं रहेगी. अतिथि आगमन हो सकता है.

वृषभ- पारिवारिक विवाद हो सकता है. कामकाज अधूरा रहेगा. सोचे हुये कार्य में विलंब होगा. नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

मिथुन- पारिवारिक चिन्ता रहेगी. कामकाज अधूरा होगा. दूर गये मित्र के संबंध में शुभ समाचार प्राप्त होगा. लापरवाही न करना हितकर रहेगा.

कर्क- लेखनादि कार्यो में सफ्लता मिलेगी. खरीदी में सावधानी रखकर कार्य करें. मनोवांछित कार्यो में सफ्लता मिलेगी. प्रवास हो सकता है.

सिंह- वाहन सुख मिलेगा. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. यात्रा में यथेष्ठ सावधानी रखें. पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक रहेगी.

कन्या- कामकाज पूरा होगा. कोर्ट कचहरी आदि के कार्यो में प्रयास सफ्ल होगा. व्यवसाय, खरीदी बिक्री में सतर्कता रखें. पदोन्नति आदि का योग है.

तुला- कुटुम्बियों से सुख एवं सहयोग मिलेगा. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी. आमदनी के जरिये बढ़ेगे. गफ्लतबाजी से बचने का प्रयास करें. धैर्य रखें.

वृश्चिक- मन में प्रसन्नता रहेगी. सुखद समाचार मिलेगा. व्यय अधिक होगा. आर्थिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा. अतिथि आगमन का योग है.

धनु- अनावश्यक विवादों को टालें. न्यायालयीन मामलों में सतर्कता रखें. फिज़ूल की दौड़धूप अधिक होगी. कार्यो की व्यस्तता रहेगी. यश प्राप्त होगा.

मकर- आज का दिन अनुकूल रहेगा. शुभ कार्यो में खर्च होगा. रूका हुआ काम बनेगा. सुख सौहार्द्र बना रहेगा. सुखद संदेश प्राप्त हो सकता है.

कुम्भ- राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी. नौकरी में उत्साह रहेगा. समस्याओं का सरलता से समाधान होगा. मांगलिक कार्य पर विचार विमर्श होगा.

मीन- कोई समस्या हल होगी. व्यापार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. खर्च की अधिकता रहेगी. मन में शांति और संतोष बना रहेगा. कहीं घूमने का मन बनेगा.

SUDOKU 7169

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7168

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7